शाहीन बाग में बिजली चोरी पकड़ने गई टीम के साथ मारपीट

- इलाके में 70 प्रतिशत एटीएंडसी लॉस
- बढ़ते लोड के कारण नए पोल्स व ट्रांसफॉर्मरों की जरूरत, पर उन्हें लगाने के लिए नहीं दी जा रही जगह

नई दिल्लीः 16 मई, 2013। साउथ दिल्ली के पॉश न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और महारानी बाग से सटे शाहीन बाग इलाके में बिजली चोरी पकड़ने गई बीआरपीएल एन्फोर्समेंट टीम के साथ असामाजिक तत्वों ने मारपीट की है। एन्फोर्समेंट टीम ने शाहीन बाग के पांच घरों पर छापा मारकर 35 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ी थी। लेकिन लोगों ने टीम पर अचानक धावा बोल दिया।

असामाजिक तत्वों को जब खबर मिली कि एन्फोर्समेंट टीम उनके इलाके में बिजली की चोरी पकड़ने आई है, तो उन्होंने न सिर्फ टीम को काम करने से रोका, बल्कि टीम के अधिकारियों के साथ मारपीट भी की। यही नहीं, असामाजिक तत्वों ने, डिस्कनेक्ट की गई केबलों को री–कनेक्ट के लिए एन्फोर्समेंट अधिकारियों को मजबूर किया। घटना की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और उसने स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश की। लेकिन लोगों की भारी भीड़ होने के कारण इस प्रयास में ज्यादा सफलता नहीं मिल सकी।

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि थाने में भी कुछ स्थानीय लोगों ने बीआरपीएल अधिकारियों को थप्पड़ मारा और उनके साथ गाली–गलौज की। एक व्यक्ति ने अधिकारियों को धमकी देते हुए कहा– मेरे और मेरे भाई के खिलाफ सारे एन्फोर्समेंट मामलों को तुरंत रद्द करो और भविष्य में भी कोई मामला हम पर मत चलाना। उस व्यक्ति पर 69000 रूपये का बकाया था। बीआरपीएल अधिकारियों ने जामिया नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसका नंबर है 62 बी और 63 बी। बिजली चोरी के खिलाफ अभियान का विरोध कर रहे कुछ लोगों ने बीआरपीएल अधिकारियों के खिलाफ भी फर्जी मामला दर्ज कराया है।

इस इलाके में बिजली चोरी की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शाहीन बाग कॉलोनी में कुल 13000 घर हैं, लेकिन बिजली का वैध कनेक्शन सिर्फ 9000 घरों के पास है। जिन लोगों के घरों में बिजली के मीटर लगे हुए हैं, उनमें से भी कई लोग बिजली की तारों पर कटिया डालकर बिजली चोरी कर रहे हैं। यही नहीं, बिजली चोरी यहां व्यवस्थित व्यापार का रूप ले चुकी है। इस वजह से ईमानदार उपभोक्ताओं पर अनावश्यक बोझ पड़ता है और उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है।

बीआरपीएल के एक अधिकारी ने बताया– इलाके में बिजली के नए पोल व तारें आदि लगाने के लिए कोई भी जगह नहीं दे रहा है। वहां के बढ़ते लोड को देखते हुए नए ट्रांसफॉर्मर लगाने की जरूरत है, लेकिन इसके लिए भी बीआरपीएल को जगह नहीं दी जा रही। ऐसे में, शाहीन बाग इलाके में बिजली व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करना काफी मुश्किल हो रहा है।

शाहीन बाग इलाके में एटीएंडसी लॉस 70 प्रतिशत है। मुख्य तौर पर बिजली चोरी की वजह से ही यहां एटीएंडसी लॉस इतना ज्यादा है। बिजली चोरी को रोकने के तमाम प्रयास यहां विफल हो रहे हैं। जैसे ही कोई टीम बिजली चोरी की चेकिंग के लिए जाती है, लोग टीम को घेर लेते हैं और उन्हें फ्लैटों की चेकिंग की इजाजत नहीं देते।

लॉस को कम करने के लिए बीआरपीएल ने इस इलाके में एक विशेष अभियान चलाया है, जिसके तहत कटी हुई तारों को बदला जा रहा है और उनकी जगह कवर्ड वायर लगाए जा रहे हैं। साथ ही बिजली के मीटरों को भी टैंपर–रेसिस्टेंट बॉक्स में लगाया जा रहा है। यह काम कंपनी अपने खर्चे पर कर रही है, लेकिन लोग इसका भी विरोध कर रहे हैं।